Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

7. 5G टेक्नोलॉजी के आगमन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के उपयोग में आए परिवर्तन का विश्लेषणात्मक अध्ययन

तन्वी त्यागी
पीएचडी स्कॉलर
डिपार्टमेंट ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन
जगन्नाथ यूनिवर्सिटी
डॉ. शिप्रा दुआ
एसोसिएट प्रोफेसर
डिपार्टमेंट ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन
जगन्नाथ यूनिवर्सिटी

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन 5जी टेक्नोलॉजी के आगमन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के उपयोग में आए परिवर्तन में सभी तरह के मोबाइल/उपकरणों समेत एक अध्ययन पर केन्द्रित है. हम 1980 तक मानव की श्रेष्ठता का दम भरते थे परन्तु 10 फरवरी 1996 को आईबीएम सुपर कम्प्यूटर डीप ब्ल्यू ने विश्व चैंपियन शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्पोरोव को हराकर इंसानी श्रेष्ठता के इस खास दावे को झूठा साबित कर दिया. इस दिन के बाद ही एक डर घर कर चुका है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लेकर एक जरूरी सवाल यह है कि क्या आने वाले वक्त में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त मशीने इंसान को पछाड़ देंगी? मशीनों को परिस्थिति के अनुसार स्वयं निर्णय लेने की तकनीक विकसित की जा रही है. आज आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मेल से विचारों और संचार के आदान-प्रदान दुनिया के किसी भी हिस्से के लिए एक छोटी सी जगह बन गई है. इंटरनेट के बिना मनुष्य जीवन पूरी तरह से भ्रमित हो गया है मानो वे इंटरनेट के गुलाम बन गए हैं. अब सोशल मीडिया के आने के बाद लगभग पूरा दृश्य बदल गया है. इसी कड़ी में हमने सोशल मीडिया में आये बदलाव को जानने के लिए एक बड़े चैनल के केस अध्ययन का विश्लेषण किया है. हाल ही में एंकरिंग के लिए एक ऐसी तकनीक विकसित की गयी जो रोबोटिक है और एक बड़े फाइल से इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर 'आज तक' टीवी उसे प्रसारित और प्रचारित करता है जो हमारे अध्ययन का मुख्य विषय है जिसके जरिए आप एक फोन से आसानी से फेसबुक का इस्तेमाल कर बड़े से बड़ा फाइल शेयर या लाइव कर सकते हैं. इस प्रकार का सोशल मीडिया का उपयोग डिजिटल क्रांति से आगे की बात है. इस अध्ययन में केस अध्ययन के आधार पर एक अन्वेषण किया गया है. अवलोकन के उपरांत अध्ययनकर्ता ने एकमत से यह माना कि 5G के उपयोग से सोशल मीडिया संचालन की क्षमता बढ़ी है जो हमारे इस अध्ययन को सार्थक बनाता है.

मुख्य शब्द: 5जी टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया, मीडिया उपयोग, परिवर्तन

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

प्रस्तावना

महान वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग ने अपने विचार व्यक्त किये थे. उनका कहना था कि तमाम अच्छाइयों के बावजूद मशीनों को बुद्धि देना मानव इतिहास की सबसे बुरी घटना साबित हो सकती है. वो कहते थे दुनिया 100 साल में इंसानों के रहने लायक नहीं रहेगी. हम 1980 तक मानव की श्रेष्ठता का दम भरते थे मगर 10 फरवरी 1996 को आईबीएम सुपर कम्प्यूटर डीप ब्ल्यू ने विश्व चैंपियन शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्पोरोव को हराकर इंसानी श्रेष्ठता के इस खास दावे को झूठा साबित कर दिया इस दिन के बाद ही एक डर घर कर चुका है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लेकर एक जरूरी सवाल यह है कि क्या आने वाले वक्त में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त मशीने इंसान को पछाड़ देंगी? मशीनों को परिस्थिति के अनुसार स्वयं निर्णय लेने की तकनीक विकसित की जा रही है. आज भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में यह जरूरी नहीं रह गया है कि ये सारे काम इंसान ही करें बल्कि यह तो मशीनें भी कर सकती हैं. तो क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त मशीनें इंसान को बेरोजगार बना देंगी? अनेक तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी वजह से सोचने-समझने वाली मशीनें इंसान को अपना दुश्मन मानने लगें और बगावत कर दें, तो मानवता के लिए खतरा पैदा हो सकता है. ऐसी स्थिति की कल्पना आप कर के देखिये. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से इंसान के लिए काम कम हो जाएंगे इंसान की बजाय मशीनों को काम में लिया जाएगा जिसके कई नुकसान भी हो सकते हैं.

मशीन स्वयं ही निर्णय लेने लगेंगी और अगर उस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो वह मानव सभ्यता के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. अब अंतिम बात अगर मशीनों में संवेदनाएं आ गयी तो वो डेटिंग, प्रेम भावनाओं से खेलने का काम किस हद तक करेंगी. सोशल मीडिया और डिजिटल संचार तकनीकों का उपयोग आजकल आम लोगों के जीवन में अभिज्ञान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है. इसके साथ ही, 5जी टेक्नोलॉजी के आगमन के साथ, सोशल मीडिया परिदृश्य में भी बदलाव देखा जा रहा है. नई तकनीकी अवधारणाओं के साथ, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों की सामाजिक और आर्थिक प्रभावना में बदलाव की संभावना है. इस प्रस्तावित अध्ययन में, हम 5जी टेक्नोलॉजी के सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर प्रभाव को विश्लेषण करने का प्रयास करेंगे. इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर 5जी टेक्नोलॉजी के प्रभाव को समझना है. हम विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर 5जी के आगमन के प्रारंभिक परिणामों, उपयोगकर्ता अनुभव, आर्थिक और सामाजिक प्रभाव, और सामाजिक नेटवर्किंग के प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभावों का विश्लेषण करेंगे.

इस अध्ययन से हम सोशल मीडिया पर 5जी टेक्नोलॉजी के प्रभाव को समझने में मदद करेंगे और डिजिटल संचार में आने वाले बदलाव को समझेंगे. इसके अलावा, हमें सोशल मीडिया के उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलेगी, जो विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकी के आधार पर उनके उपयोग में अद्वितीय बदलाव ला सकती हैं. उदाहरण के लिए भारतीय पोलिस भारतीय पुलिस त्रिनेत नाम के एक एप्प का इस्तेमाल करती है जिससे किसी अपराधी की तस्वीर से मिलान करके पता लगाया जा सकता है कि उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं अब मान लीजिए फेसबुक और ट्विटर पर उस ऊँगली से कभी ऑफेंसिव

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

टाइप हुआ या नहीं ये बताने लगे फिर वो खुद सामने वाले को भावनात्मक सन्देश भेजने की क्षमता प्राप्त कर ले तो कितना नुकसान होगा.

साहित्य समीक्षा

1.(**2009**) को दो शोधार्थी जोआना सी. डनलप कोलोराडो विश्वविद्यालय और पैट्रिक आर लोवेंथल बोइस स्टेट यूनिवर्सिटी ने अध्याय तैयार किया जिसका शीर्षक "ट्विटर के निर्देशात्मक उपयोग" था जिसमे लेखक बतात है लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) कक्षाओं के बाद तैयार किए जाते हैं। जबकि वे कुछ सीखने की गतिविधियों (जैसे, सूचना और दस्तावेज़ साझाकरण, अतुल्यकालिक और तुल्यकालिक चर्चा, और ऑनलाइन परीक्षण और प्रश्नोत्तरी) का समर्थन करने में पूरी तरह से सक्षम हैं, वे दूसरों का समर्थन करने में असमर्थ हैं। एक ब्रेक के दौरान, और इसी तरह कक्षा के बाहर इस तरह की बातचीत में संभावित निर्देशात्मक मूल्य होता है (कुह, 1995) और संकाय और छात्रों के बीच और उनके बीच पारस्परिक संबंधों को मजबूत करने में मदद कर सकता है. निम्नलिखित अध्याय में, हम संक्षेप में ट्विटर के कुछ निर्देशात्मक उपयोगों पर प्रकाश डालते हैं- एक वेब 2.0, माइक्रोब्लॉगिंग टूल.

2. (2019) में डोनेगन ने लेख लिखा कि 5G की ट्रांसमिशन गति 4G मोबाइल नेटवर्क की तुलना में सैकड़ों गुना तेज है, जो प्रति सेकंड दसियों जीबी तक पहुंचती है.

3. (2017) में लेमा, एट अल ने लिखा कि 5G अपनी उच्च गति और कम विलंबता की विशेषताओं के कारण भविष्य के मीडिया की विकास आवश्यकताओं के लिए बहुत उपयुक्त है.

4. (2019) में वेन जे आई ए जियांग साउथैम्पटन विश्वविद्यालय से लिखती हैं कि पूर्वानुमानित परिणामों के अनुसार हम देख सकते हैं कि 2025 तक 5G उपयोगकर्ताओं की संख्या 2.61 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है. यह दर्शाता है कि 5G की विकास क्षमता और इसके प्रभाव की गहराई को कम करके नहीं आंका जा सकता है.

5. (2018) में दो प्रोफसरो अब्दुलरहमान अब्दुल्लाह अल ऐन विश्वविद्यालय और रहीमा आइसानी अल ऐन विश्वविद्यालय ने एक अध्ययन किया जिसका शीर्षक था" अरब युवाओं द्वारा ट्विटर के प्रयोग के लिए प्रेरणा" अध्ययन का उद्देश्य उन कारणों की पहचान करना है कि क्यों अरब युवा ट्विटर का उपयोग करना पसंद करते हैं और क्या उनकी उम्र, लिंग, शैक्षिक स्तर और मूल देश ट्विटर के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उपरोक्त प्रश्नों का उत्तर देने के लिए, एक डिजिटल सर्वेक्षण का उपयोग करके एक वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से वितरित किया गया था. ट्विटर, गूगल+, फेसबुक और लिंक्डइन अध्ययन अरब युवाओं द्वारा ट्विटर के उपयोग की प्राथमिकताओं के संबंध में कई परिणाम प्रस्तुत करता है पहले शोध प्रश्न से संबंधित विश्लेषण और चर्चा से पता चलता है कि अरब युवा ट्विटर को पसंद करते हैं क्योंकि इसका उपयोग करना आसान है और उन्हें अपने विचारों और विचारों को स्वतंत्र रूप से समझाने के लिए अधिक जगह देता है. शोध नमूने के बीच ट्विटर के उपयोग की विविधता के बारे में, दूसरे शोध प्रश्न से जुड़े विश्लेषण और चर्चा का दावा है कि अरब युवाओं के बीच ट्विटर के उपयोग में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर हैं जिन्हें उम्र, लिंग, शैक्षिक स्तर और उनके लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है. यह अध्ययन हमारे अध्ययन को प्रोत्साहित करता है .

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

6. (2021) में दो शोधार्थी मार्कस डब्ल्यू बेकी ताम्पा खाड़ी मुहाना कार्यक्रम और एडवर्ड टी. शेरवुड ताम्पा खाड़ी मुहाना कार्यक्रम ने मिलकर एक शोध पत्र तैयार किया जिसका शीर्षक था" रेड टाइड इम्पैक्ट असेसमेंट के लिए स्थानीयकृत ट्विटर गतिविधि का उपयोग करना." जिसमें रेड टाइड घटना के दौरान निवासियों और आगंतुकों ने आपदा से संबंधित जानकारी प्राप्त करने और अपनी भावनाओं और अनुभवों को संप्रेषित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का रुख किया। सोशल मीडिया के सर्वव्यापी उपयोग के बाद से यह पहली बड़ी रेड टाइड घटना थी, इस प्रकार रेड टाइड प्रभावों की अद्वितीय भीड़-सोर्स रिपोर्टिंग प्रदान की गई. हमने रेड टाइड विषय गतिविधि की स्थानिक और लौकिक सटीकता का मूल्यांकन किया. ट्विटर, ट्वीट भावनाओं और उपयोगकर्ता प्रकारों (जैसे मीडिया, नागरिक) को ध्यान में रखते हुए, और रिपोर्ट की गई लाल ज्वार की स्थिति के साथ ट्वीट गतिविधि की तुलना, जैसे कि मृत मछलियों का स्तर और स्थानीय समुद्र तटों पर सांस की जलन विश्लेषण दोनों इलाकों (जैसे पूरे खाड़ी तट, काउंटी-स्तर, शहर-स्तर, ज़िप कोड सारणीकरण क्षेत्रों) और अस्थायी आवृत्तियों (जैसे दैनिक, हर तीन दिन, साप्ताहिक) के संबंध में कई स्तरों पर किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप मजबूत सहसंबंध थे स्थानीय प्रति व्यक्ति ट्विटर गतिविधि और क्षेत्र में देखी गई वास्तविक लाल ज्वार की स्थिति इसके अलावा, प्रभावित तटीय क्षेत्रों के साथ निकटता और प्रासंगिक ट्वीट्स के लिए प्रति व्यक्ति गणना के बीच एक जुड़ाव देखा गया. परिणाम बताते हैं कि ट्विटर समय के साथ रेड टाइड के स्थानीय प्रभावों और विकास का एक विश्वसनीय प्रॉक्सी है, जिसे संभावित रूप से अधिक कुशल मूल्यांकन और अधिक के लिए उपकरणों में से एक के रूप में उपयोग किया जा सकता है. ट्विटर के प्रयोग की महत्ता को रेखांकित करता है .

7. (2013) में दो शोधकर्ता यूंक्युंग चुंग इवा वूमन्स यूनिवर्सिटी और जुंगवोन यूं चोनबुक नेशनल यूनिवर्सिटी ने एक शोध पत्र लिखा जिसका शीर्षक था" ट्विटर संदेश में छवि उपयोग का विश्लेषण" इस संदर्भ को देखते हुए कि उपयोगकर्ता मल्टीमीडिया एम्बेडेड जानकारी के साथ सोशल मीडिया का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, इस अध्ययन का उद्देश्य यह प्रदर्शित करना है कि ट्विटर संदेशों के भीतर छवियों का उपयोग कैसे किया जाता है, विशेष रूप से प्रभावशाली और पसंदीदा संदेशों में कैसे उपयोग किया जाता है. इस अध्ययन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, छवियों के साथ शीर्ष 200 प्रभावशाली और पसंदीदा संदेशों को अप्रैल 2013 में "बोस्टन बमबारी" से संबंधित 1,589 ट्वीट्स में से चुना गया था. संदेश, छवि उपयोग और उपयोगकर्ता की विशेषताओं का विश्लेषण और तुलना की जाती है। दो चरण विश्लेषण तीन डेटा सेटों पर किया गया जिसमें शीर्ष 200 प्रभावशाली संदेश, शीर्ष 200 पसंदीदा संदेश और सामान्य संदेश शामिल थे। पहले चरण में, कोडिंग योजनाओं को विकसित किया गया है. तीन स्पष्ट विश्लेषण आयोजित करना:

(1) ट्वीट्स का वर्गीकरण, (2) छवि उपयोग का वर्गीकरण, और (3) उपयोगकर्ताओं का वर्गीकरण, फिर तीन डेटा सेटों को कोडिंग योजनाओं का उपयोग करके कोडित किया गया था. दूसरे चरण में, ट्वीट प्रकार, छवि उपयोग और उपयोगकर्ता के संदर्भ में प्रभावशाली, पसंदीदा और सामान्य ट्वीट्स के बीच तुलना विश्लेषण किए गए. जबकि राय व्यक्त करने वाले संदेशों को सबसे पसंदीदा पाया गया, जानकारी साझा करने वाले संदेशों को उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे प्रभावशाली माना गया। दूसरी ओर, जैसा कि केवल चार छवियों का उपयोग करता है - सूचना प्रसार,

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

चित्रण, भावनात्मक/प्रेरक, और सूचना प्रसंस्करण - इस डेटा सेट में पाए गए थे, प्राथमिक छवि उपयोग ऑब्जेक्ट-संचालित होने के बजाय डेटा-संचालित होने की संभावना है. उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण से, उपयोगकर्ता प्रकार जैसे कि सरकार, सेलिब्रिटी और फोटो-शेयरिंग साइटों को पसंदीदा और प्रभावशाली पाया गया. सोशल मीडिया के संदर्भ में, उपयोगकर्ताओं की छवि की ज़रूरतों की बेहतर समझ, छवि की ज़रूरतों के ज्ञान के विस्तार में योगदान करती है. यह अध्ययन छवि पुनर्प्राप्ति प्रणालियों या सेवाओं के व्यावहारिक डिजाइनों और निहितार्थों में भी मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा. यह अध्ययन हमारे शोध को एक अलग दृष्टि देता है.

शोध उद्देश्य

1. सोशल मीडिया पर AI के प्रभाव के विषय में पता करना
2. 5G टेक्नोलॉजी से सोशल मीडिया पर मानव प्रस्तुतकर्ता के बदले यांत्रिक प्रस्तुतकर्ता के प्रभाव को जानना
3. 5जी टेक्नोलॉजी के सोशल मीडिया पर प्रभाव की विस्तृत जांच
4. सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर उपयोगकर्ता अनुभव का विश्लेषण
5. आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन
6. सोशल नेटवर्किंग के प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभावों का अध्ययन

शोध प्रश्न

1. 5जी टेक्नोलॉजी के आगमन से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के उपयोग में कैसे परिवर्तन आएंगे?

2. नई 5जी तकनीक के प्रयोग से क्या नए सोशल मीडिया के उपाय विकसित किए जा सकते हैं और यह उपयोगकर्ताओं के अनुभव को कैसे प्रभावित करेंगे?

3. 5जी की गति और संचार क्षमता का सोशल मीडिया पर प्रभाव क्या होगा, विशेष रूप से सामाजिक मीडिया अनुभागों में?

4. 5जी के उपयोग से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता और सुरक्षा को कैसे प्रभावित किया जा सकता है?

5. 5जी और सोशल मीडिया के इस सम्बन्ध में नई नीतियों और नियमों की आवश्यकता क्या है, विशेष रूप से उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और गोपनीयता के संदर्भ में?

अनुसंधान क्रियाविधि-

वर्णनात्मक अनुसंधान डिजाइन एक प्रकार का शोध डिजाइन है जिसका उद्देश्य किसी घटना स्थिति या जनसंख्या का व्यवस्थित रूप से वर्णन करने के लिए जानकारी प्राप्त करना है. इसमें विषय के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत वर्णन किया जाता है. इस अनुसंधान में आमतौर पर अनुभव, प्रवृत्ति, और प्रयोगों को विश्लेषण किया जाता है. यह विधि विशेष रूप से उपयोग किया जाता है जब हमें विषय के बारे में विशेष जानकारी और समझ बढ़ानी होती हैं ।अधिक विशेष रूप से, यह शोध समस्या के बारे में क्या, कब, कहाँ और कैसे प्रश्नों के उत्तर देने में मदद करता है

The Asian Thinker

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

शोध की वर्णनात्मक पद्धति में विचाराधीन चरों की जांच के लिए कई अलग-अलग प्रकार की शोध विधियों का उपयोग शामिल हो सकता है। यह मुख्य रूप से मात्रात्मक डेटा को नियोजित करता है.

अनुसंधान विधि:केस स्टडी

केस स्टडी (Case Study) वर्णनात्मक अनुसंधान विधि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इस विधि में, विशेष विषय के एक विशिष्ट मामले या प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है। यह विधि विशेष रूप से मामलों को गहराई से समझने और उनकी समीक्षा करने के लिए उपयोगी होती है.

केस स्टडी का वर्णनात्मक अनुसंधान क्रम निम्नलिखित कदमों पर आधारित होता है:

विषय का चयन: पहला कदम एक उपयुक्त विषय का चयन करना होता है जो कि अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण होता है। मामले का चयन उसकी विशेषताओं, अध्ययन के उद्देश्यों और अनुसंधान प्रश्नों के साथ मेल खाता है.

विश्लेषण और व्याख्या-

आज तक न्यूज़ चैनल के फेसबुक (मेटा) अकाउंट पर यह पोस्ट ३० मार्च २०२३ को रात्रि ११ बजे पोस्ट किया गया. इसे 'ब्लैक एंड वाइट' प्रोग्राम पर 'देश की पहली AI न्यूज़ एंकर AI AnchorSana के साथ देखिये आज की बड़ी खबरें' के नाम से पोस्ट किया गया था . इस पोस्ट को हमारे विश्लेषण के लिए चयनित किये जाने तक ५७००० लोगों ने लाइक किय, २,४०० लोगों ने कमेंट किया , २,९०० लोगों ने शेयर किया तथा २० लाख लोगों ने देखा है . कमेंट को विश्लेषित करने से यह पता चलता है कि अधिकतर लोगों ने शुरुआती समय में स्वर के तौर पर अस्वीकार किया तथा एंकरिंग क्षेत्र में काम कर रहे लोगों पर संकट बताया है . विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि इस तरह के कार्यक्रमों का लाइव स्ट्रीमिंग भी हो सकता है तथा 5G के उपयोग से बड़े से बड़ा फाइल इस फेसबुक ID से आसानी से शेयर किया जा रहा है .

Year-6 Volume: II, April-June, 2024 Issue-22 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

सोशल मीडिया पर 5जी टेक्नोलॉजी के प्रभाव को समझने के लिए एक केस स्टडी का उदाहरण महत्वपूर्ण हो सकता है:

व्यक्तिगत संचार में बदलाव: एक व्यक्ति के जीवन में 5जी के आगमन का प्रभाव समझने के लिए एक केस स्टडी केंद्रित किया जा सकता है जो उनके सोशल मीडिया उपयोग में परिणाम दिखाता है. यह उदाहरण उन बदलावों को दर्शाएगा जो 5जी की तेजी से गति के कारण हो सकते हैं, जैसे कि बेहतर वीडियो कॉल, लाइव स्ट्रीमिंग, और अधिक बड़े आकार के मीडिया फ़ाइलें शेयर करने की क्षमता या मीडिया में यूज हो रहे रोबोटिक एंकर के कार्यक्रम के प्रभाव का विश्लेषण.

व्यवसायों में प्रभाव: किसी व्यावसायिक संगठन के सोशल मीडिया प्रयोग में 5जी के आगमन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए केस स्टडी की गयी है. यह संगठन कैसे 5जी का उपयोग करके अपने उत्पादों और सेवाओं की प्रचार-प्रसार में और अधिक सक्रिय और सामर्थ्यवान बना रहा है, इस पर ध्यान केंद्रित करेगा. यह दिखायेगा कि आजतक चैनल के सोशल मीडिया फेसबुक पर आने का क्या प्रभाव हुआ है.

राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन: सोशल मीडिया का 5जी के आगमन के साथ कैसे राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन में योगदान हो सकता है, इसे विश्लेषित करने के लिए एक एंकर सना का केस स्टडी किया गया है. इसमें लोगों के राजनीतिक विचारों को आधार बनाकर नेताओं के जनसंपर्क और अभियान संगठन में कैसे बदलाव आया है, यह दिखाया गया है. इस पोस्ट पर लिखे कमेट का भी विश्लेषण किया गया है .

उपयोगकर्ता अनुभव: AI एंकर सना के सोशल मीडिया प्रेसेंस पर 5जी के आगमन के प्रभाव का अध्ययन किया गया है. कैसे 5जी की तेजी से गति के कारण एंकर सना के नियोजन, उपयोग और संचार में बदलाव आया है, यह देखा जा सकता है.

सामाजिक प्रभाव: AI एंकर सना के सोशल मीडिया खातों के जरिए 5जी टेक्नोलॉजी के प्रभाव का विश्लेषण किया जा सकता है, जैसे कि उनके द्वारा साझा की गई सामग्री के उपयोग में किस तरह का बदलाव आया है.

समुदाय भावना: एंकरिंग के द्वारा AI एंकर सना के सोशल मीडिया पर 5जी के प्रभाव का अध्ययन कर सकते हैं और देख सकते हैं कि उनकी समुदाय भावनाओं में कैसे परिवर्तन आया है.

अध्ययन का निष्कर्ष-

हमारा अध्ययन जिसका शीर्षक अध्ययन 5जी टेक्नोलॉजी के आगमन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों के उपयोग में आए परिवर्तन में सभी तरह के मोबाइल/उपकरणों समेत एक केस अध्ययन पर केन्द्रित है. यह एक तरह की नई प्रोद्योगिकी पर आधरित है। आज दुनिया में सबसे बड़ा यूजर्स फेसबुक का इस्तेमाल करने वालों का है . यह अध्ययन यह दर्शाता है कि वर्तमान में फेसबुक किस आसानी से किन-किन टेक्नोलोजी का उपयोग कर रहा है. आज व्यक्ति-से-व्यक्ति या संगठन-से-संगठन संचार के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे व्यापक कंप्यूटर अनुप्रयोगों में से एक सोशल मीडिया संचार है जिसके लिए डाटा की तेजी अनिवार्य है. इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया संचालन में तेजी लाने का संसाधन एवं रोबोटिक तक का उपयोग है. इसके समाधान विकसित करने वाले एक बड़े टेलीविजन चैनल (आज तक) के फेसबुक पेज के एक विडियो पोस्ट का अवलोकन ही हमारे अध्ययन का मुख्य विषय है . इस केस में एंकरिंग के लिए रोबोटिक उपयोग किया गया है. इस पेज पर लाइव स्ट्रीमिंग कला का उपयोग

भी दिखता है जिसके लिए 5G होना अनिवार्य है. ग्रामीण परिवेश में इस डाटा तेजी का उपयोग फेसबुक में हुआ है . यह दिखाता है कि समाज किस स्तर तक प्रभावित हो रहा है. आज भी सर्वाधिक लोग सोशल मीडिया उपयोग करते हैं। साथ ही 2 तिहाई प्रतिभागी सोशल मीडिया को मंच मानते हैं. इस अध्ययन से यह दिखता है कि 5G ने फेसबुक को ग्रामीण परिवेश में भी वो तेज गति दी है. इस प्रकार अध्ययन का मंतव्य पूरा होता दिख रहा है.

REFERENCES लिंक

https://hindi.news18.com/bloGs/pradeep_10/bloG-on-artificial-intelliGence-benefits-loss-3503557.html

https://www.bbc.com/hindi/science-51247744

https://saGeuniversity.edu.in/bloGs/5G-network-technoloGy-and-its-impact-on-society

https://www.zeebiz.com/hindi/india/video-5G-internet-in-india-31-crore-mobile-users-of-the-country-can-upGrade-to-5G-this-year-ericsson-consumer-lab-145317

https://www.fortinet.com/br/resources/cyberGlossary/what-is-5G

***

The Asian Thinker